ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-04-2021

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-04-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-04-17	2021-04-18	2021-04-19	2021-04-20	2021-04-21
वर्षा (मिमी)	2.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	37.0	37.0	39.0	40.0	37.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	23.0	23.0	24.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	27	20	22	26
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	15	13	8	7	12
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11.0	11.0	9.0	20.0	9.0
पवन दिशा (डिग्री)	68	116	159	235	237
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	1	1	4	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

17 अप्रैल को हल्की वर्षा की सम्भावना है। आगामी दिनों में अधिकतम तापमान 37.0 से 40.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 23.0 से 25.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

कोरोना महामारी (कोविड़-19) के गंभीर फैलाव को देखते हुए किसानों को सलाह है कि कृषि कार्यों के दौरान मुहँ पर मास्क लगाये, साबुन से उचित अंतराल पर 2 मिनट तक हाथ धोयें तथा एक दूसरे से पांच फीट की दूरी बनाये रखें।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले पांच दिनों में आसमान में आंशिक बादल छायें रहने की सम्भावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
भिण्डी	जायद भिण्डी की फसल में पीतशीरा मोजेक वायरस रोग की सम्भावना है। इस रोग के प्रकोप से पत्तियां एंव फल पीले पड जाते है। इस रोग का संचार सफेद मक्खी नामक कीट से होत है। इसके नियंत्रण हेतु फूल आने से पहले लिए इमिडाक्लोप्रिड या एसीटामीप्रिड 3-5 मि.ली. का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गर्मियों में शुष्क क्षेत्रों में हरे चारे की कमी हो जाती है, अतः पंजिकृत पशु चिकित्सक की सहला से प्रोटीन युक्त,उच्च पोषण वसली यूरिया-मोलसेज ईटो का निर्माण करके पशुओं को खिलाएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	किसान भाई कटाई की हुई फसलों को खेत में खुला ना छोड़े, एक स्थान पर इकट्ठा कर त्रिपाल से ढक कर रखें।
सामान्य सलाह	भण्डारण से पूर्व अनाज को अच्छी तरह सुखा लें तथा अनाज को अच्छी तरह साफ करने के बाद ही बोरियों, ड्रम या कोठी में भरें।